vinetur

जर्मनी में पिछले दशक में जैविक अंगूर के बागों का क्षेत्रफल लगभग दोगुना

2025 में जर्मनी के 15,800 हेक्टेयर अंगूर-बाग जैविक थे—कुल क्षेत्र का 15.5%, जबकि कुल रकबा लगभग स्थिर रहा।

सोमवार, 23 नवंबर 2026



जर्मनी में जैविक वाइन उत्पादन का दायरा काफी बढ़ा है। जर्मन वाइन इंस्टीटचूट द्वारा सोमवार, 23 नवंबर को पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशक में जैविक मानकों के तहत खेती किए जाने वाले अंगूर के बागों का हिस्सा लगभग दोगुना हो गया है।

इंस्टीटचूट ने बताया कि 2025 में जर्मनी के 15,800 हेक्टेयर अंगूर के बागों में जैविक तरीके से खेती की जा रही थी, जबकि 2015 में यह क्षेत्र लगभग 7,600 हेक्टेयर था। इससे देश के कुल वाइन-उत्पादक खेती क्षेत्र में जैविक अंगूर-बागों की हिस्सेदारी 15.5% हो गई। ये आंकड़े इंस्टीटचूट के प्रवक्ता Ernst Büscher ने दिए और Agrarmarkt Informations-Gesellschaft के सर्वेक्षणों पर आधारित हैं। यह संस्था कृषि बाजार के आंकड़े उपलब्ध कराती है।

जर्मनी में अंगूर के बागों का कुल क्षेत्रफल लगभग स्थिर रहने के बावजूद इसमें बढ़ोतरी जारी रही है। इंस्टीटचूट के अनुसार, 2025 में अंगूर-बागों का कुल क्षेत्रफल लगभग 102,000 हेक्टेयर था, जो 2000 के बाद से लगभग इसी स्तर पर बना हुआ है। कुल क्षेत्रफल मोटे तौर पर स्थिर रहा, लेकिन इस अवधि में जैविक खेती का हिस्सा कुछ उतार-चढ़ाव के साथ लगातार बढ़ा। 2000 में केवल 1,700 हेक्टेयर में जैविक खेती होती थी, जो देश के कुल अंगूर-बाग क्षेत्र का 1.6% था। 2015 तक यह हिस्सा बढ़कर 7.4% हो गया।

इंस्टीटचूट के मुताबिक, 2024 की तुलना में 2025 में जर्मनी में जैविक अंगूर-बागों का क्षेत्रफल लगभग 500 हेक्टेयर बढ़ा। ये आंकड़े जैविक वाइन की लगातार बनी मांग और जैविक प्रमाणन के नियमों के अनुरूप उत्पादन तरीकों को अपनाने की दिशा में अंगूर उत्पादकों के जारी बदलाव की ओर इशारा करते हैं।

इस बदलाव को आगे बढ़ाने में उच्च श्रेणी के कुछ उत्पादकों की भी भूमिका है। Association of German Prädikat Wine Estates, जिसे VDP के नाम से जाना जाता है, ने बताया कि उसके लगभग 200 सदस्य वाइनरी में से 82 अपने VDP अंगूर-बाग क्षेत्र के 40% से अधिक हिस्से में जैविक खेती कर रही हैं। VDP के प्रवक्ता Max Rohde के अनुसार, इनमें से कुछ व्यवसाय या भूखंड अभी बदलाव की प्रक्रिया में हैं, यानी उन्हें जैविक नियमों के तहत पूर्ण प्रमाणन नहीं मिला है।

इसके बावजूद, इस क्षेत्र में VDP की भूमिका अहम है। एसोसिएशन ने बताया कि उसकी वाइनरी जर्मनी के कुल जैविक अंगूर-बाग क्षेत्र का लगभग 15% हिस्सा संभालती हैं, जबकि देश के कुल अंगूर-बाग क्षेत्र में उनकी हिस्सेदारी 6% से कुछ कम है। इससे संकेत मिलता है कि व्यापक क्षेत्र की तुलना में कई प्रीमियम उत्पादकों ने जैविक उत्पादन को तेजी से अपनाया है।

ये आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि एक पीढ़ी के दौरान जर्मन वाइन उत्पादन की संरचना कितनी बदल गई है। 2000 के बाद से जैविक तरीके से प्रबंधित अंगूर-बागों का क्षेत्रफल नौ गुने से अधिक बढ़ा है, जबकि कुल रोपित क्षेत्र लगभग उसी स्तर पर बना हुआ है। इसका अर्थ है कि जैविक वाइन उत्पादन की वृद्धि मुख्यत: मौजूदा अंगूर-बागों को जैविक खेती में बदलने से हुई है, न कि देश के कुल वाइन-उत्पादक क्षेत्र के विस्तार से।

पेय उद्योग के लिए यह बदलाव खुदरा विक्रेताओं, आयातकों और रेस्तरां के खरीदारों को उपलब्ध जर्मन वाइन की आपूर्ति को धीरे-धीरे नया रूप दे सकता है। जैविक उत्पादन का बढ़ता हिस्सा उत्पादों की व्यापक श्रृंखला और बाजार में जैविक पहचान को मजबूत करने में मददगार हो सकता है, लेकिन इससे उत्पादकों के लिए अनुपालन, प्रमाणन और खेती की लागत भी बढ़ सकती है। ये पहलू वाइन कारोबार में कीमत, विपणन और निवेश संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं।

जर्मनी में जैविक अंगूर-बागों का विस्तार ऐसे समय हो रहा है, जब पेय बाजार के कई हिस्सों में उपभोक्ताओं के लिए उत्पादन के तरीके, स्थिरता संबंधी दावे और प्रमाणित लेबल अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। वाइन क्षेत्र में इसका असर इस बात पर पड़ सकता है कि अंगूर-बाग अपने ब्रांड कैसे पेश करते हैं और वितरक तथा व्यापारी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो कैसे तैयार करते हैं। ताजा आंकड़े बताते हैं कि जैविक वाइन अब विशिष्ट सीमित श्रेणी से आगे बढ़कर जर्मन उत्पादन का अधिक स्थापित हिस्सा बन रही है।